सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-4: लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्त्व

SHIVOM CLASSES 8696608541

भागीदारी

लोकतान्त्रिक सरकार का सबसे पहला लक्षण है भागीदारी लोकतंत्र में लोग निर्णय लेते है चुनाव में वोट देकर वे अपने प्रतिनिधि चुनते है इस प्रकार नियमित चुनाव होने से लोगो का सरकार पर नियंत्रण बना रहता है जैसे : भारत हर 5 वर्ष के बाद चुनाव होते है और एक सरकार चुनाव जीत कर सरकार बनती है वोट के माध्यम से जनता की भागीदरी सुनिश्चित होती है।

भागीदारी या साझेदारी व्यावसायिक संगठन का एक स्वरूप है। यह दो या दो से अधिक व्यक्तियों का पारस्परिक संबंध है, जिसमें लाभ कमाने के उद्देश्य से एक व्यावसायिक उद्यम का गठन किया जाता है। वे व्यक्ति जो एक साथ मिलकर व्यवसाय करते है, उन्हें व्यक्तिगत रूप से 'साझेदारी' और सामूहिक रूप से 'फर्म' कहा जाता है। जिस नाम से व्यवसाय किया जाता है उसे 'फर्म का नाम' कहते हैं। सुलतान एंड कंपनी, रामलाल एंड कंपनी, गुप्ता एंड कंपनी आदि कुछ फर्मों के नाम हैं। साझेदारी फर्म भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के प्रावधनों के अंतर्गत नियंत्रित होती है। भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धरा 4 के अनुसार साझेदारी उन व्यक्तियों का आपसी संबंध है, जो उन सबके द्वारा या उन सबकी ओर से किसी एक साझेदार द्वारा संचालित व्यवसाय का लाभ आपस में बांटने के लिए सहमत होते हैं। चूंकि एकल स्वामित्व व्यवसायिक संगठन की कुछ सीमाएं होती हैं; इसके वित्तीय और प्रबंधकीय संसाधन बहुत सीमित होते हैं तथा एक निश्चित सीमा से आगे इस व्यवसाय का विस्तार करना भी संभव नहीं है। एकल स्वामित्व व्यावसायिक संगठन की इन्हीं सीमाओं से निपटने के लिए साझेदारी व्यवसाय अस्तित्व में आया है। उदाहरण मान लीजिए कि आप अपने इलाके में एक रेस्तराँ खोलना चाहते हैं। इसके लिए आपको पूँजी, काम करने वाले लोग, स्थान, बर्तन और कुछ अन्य वस्तुओं की आवश्यकता होगी। आपको लगा कि आप इसके लिए आवश्यक सारा धन नहीं जुटा पाएंगे और न ही आप इस काम को अकेले कर पाएंगे। इसलिए आपने अपने दोस्तों से बात की और उनमें से तीन व्यक्ति आपके साथ मिलकर इस रेस्तराँ को चलाने के लिए तैयार हो गए। वे तीनों रेस्तराँ चलाने के लिए कुछ पूँजी और कुछ दूसरी वस्तुओं की व्यवस्था करने के लिए भी तैयार हो गए। इस प्रकार आप चारों मिलकर रेस्तराँ के स्वामी बने और होने वाले लाभ हानि को भी आपस में बांटने के लिए तैयार हो गए।

भागीदरी के अन्य तरीके

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लोगों के पास लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिये सरकार के गठन में भागीदारी के अलावा और भी तरीके हैं। कुछ लोग विरोध प्रदर्शन के द्वारा ऐसा करते हैं तो कुछ मीडिया में बहस के द्वारा।

जब भी किसी सामाजिक समूह को ऐसा लगता है कि इसके हितों की अवहेलना हो रही है तो यह विरोध प्रदर्शन के द्वारा अपनी आवाज उठा सकता है। विभिन्न सामाजिक समूह अपनी मांगों को लेकर सरकार के सामने विरोध प्रदर्शन करते हैं। कभी कभी सरकार कुछ ऐसा निर्णय ले लेती है जो आबादी के एक बड़े हिस्से को पसंद न हो। ऐसी स्थिति में लोग विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर जाते हैं।

जुलूस और धरना: लोगों द्वारा विरोध जताने के लिए जुलूस और धरने का मुख्य रूप से इस्तेमाल होता है। आपने टेलिविजन या अखबारों में जुलूस और धरने की तसवीरें जरूर देखी होंगी। हो सकता है कि कोई खास सामाजिक समूह नौकरी में आरक्षण के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहा हो। हो सकता है कि कोई दूसरा समूह अपना वेतन बढ़ाने की मांग कर रहा हो। ऐसी मांगों की लिस्ट काफी लंबी हो सकती है।

कुछ लोग अपनी आवाज उठाने के लिए टेलिविजन पर चलने वाली बहस का सहारा लेते हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर लिखते हैं तो कुछ लोग अखबार के संपादक को चिट्ठी लिखते हैं।

विवादों का समाधान

विवाद तब उभरते है जब विभिन सांस्कृतिक, धर्म, जगह, और आर्थिक पृष्ट्भूमि के लोग एक दूसरे के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते है। और कई बार भेदभाव की दशा में भी कुछ मुद्दे है जो विवाद का विषय बन जाते है जैसे : धार्मिक जुलुस और उत्सव विवाद का विषय, नदी (जल विवाद)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवादों के कुछ संभावित कारण:

धर्म: कई बार इस बात के लिए विवाद उठ खड़ा होता है कि एक धार्मिक जुलूस किस रास्ते से जायेगा। किसी एक धर्म के लोग अपना जुलूस उस रास्ते से ले जाने को अड़ जाते हैं जिस रास्ते में बहुसंख्यक आबादी किसी अन्य धर्म की हो। ऐसा कई धार्मिक त्योहारों में और कई स्थानों पर हो सकता है। ऐसी स्थिति में पुलिस और स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी होती है कि इस विवाद का कोई ऐसा समाधान निकाले जो दोनों पक्षों को मान्य हो। पुलिस की यह कोशिश भी होती है कि त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो जाये।

नदी का पानी: कई बार दो राज्यों के बीच नदी के पानी के बँटवारे को लेकर झगड़ा हो जाता है। अब कावेरी नदी का उदाहरण लीजिए। कावेरी नदी कर्णाटक से निकलती है और तमिल नाडु में समाप्त होती है। कावेरी के पानी को लेकर दोनों राज्यों में अक्सर झगड़े होते हैं। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अक्सर केंद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ता है।

दिल्ली पीने के पानी के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर निर्भर करती है। दिल्ली को पीने के पानी की अनवरत आपूर्ति के लिए अक्सर इन राज्यों के बीच विवाद उठ खड़ा होता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जब भी कोई विवाद होता है तो हर स्तर की सरकारें स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश करती हैं। सरकार ऐसा समाधान ढूँढ़ने की कोशिश करती है जो हर पक्ष को मान्य हो।

समानता एवं न्याय

लोकतान्त्रिक सरकार का सबसे महत्वपूर्ण विचार है समानता इसी लिए भारत के सविधान में समानता जैसे अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में वर्णित किया गया है और इस की सुरक्षा स्वयं सविधान करता है।

लोकतान्त्रिक सरकार एक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करती है और समाज के हर तबके को न्याय प्राप्ति का पूरा अधिकार होता है। इस अलावा सरकार अस्पृश्ता यानि छुवाछुत की प्रथा पर रोक जैसे कानून का निर्माण करती है।तथा सरकार विवादों का समाधान सांविधानिक कानून के आधार पर होता है।

वर्षों पुरानी जाति व्यवस्था के कारण भारत में सामाजिक असमानता का एक लंबा इतिहास रहा है। जाति व्यवस्था के कारण कई लोगों को पढ़ने का मौका नहीं मिला। ऐसे लोगों को कुछ अलग पेशों में आने का मौका भी नहीं मिला। दलितों के एक बड़े हिस्से को तो न्यूनतम मानवाधिकार से भी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वंचित रहना पड़ा। ऐसे लोगों को मंदिरों में प्रवेश की इजाजत नहीं थी। उन्हें सार्वजनिक स्थलों से पीने का पानी तक नहीं लेने दिया जाता था।

आजादी के बाद सरकार ने समाज से असमानता और अन्याय हटाने के लिए कुछ नीतियाँ बनाई। हर नागरिक को समान रूप से देखना सरकार की जिम्मेदारी बनती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होता है कि कोई भी व्यक्ति असमानता का शिकार न हो।

लैंगिक असमानता हमारे देश में एक बड़ा अभिशाप है। अक्सर लड़कियों की तुलना में लड़कों का लालन पाल बेहतर ढंग से होता है। कई परिवारों में लड़कियों को उचित अवसर नहीं दिये जाते हैं। इस समस्या से निबटने के लिए सरकारी स्कूलों में लड़कियों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है। इससे लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 46)

प्रश्न 1 आज दक्षिण अफ्रीका में माया का जीवन कैसा होगा ?

उत्तर – आज़ दक्षिण अफ्रीका में माया का जीवन इस प्रकार का होगा

1. उसे देश के किसी भी भाग में घूमने-फिरने की स्वतंत्रता होगी।
2. उसे वोट देने का अधिकार होगा।
3. उसे कोई भी भाषा सीखने का अधिकार होगा।
4. उसे सरकार के निर्णयों के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार होगा। ..
5. उसे देश के किसी भी भाग में बसने का अधिकार होगा।
6. उसे कोई भी व्यवसाय चुनने का अधिकार होगा।।

प्रश्न 2 किन विभिन्न तरीकों से लोग सरकार की प्रक्रियाओं में भाग लेते हैं ?

उत्तर – लोग निम्नलिखित तरीकों से सरकार की प्रक्रियाओं में भाग लेते हैं

- लोग चुनावों में वोट डालकर, अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं जो एक निश्चित अवधि के लिए उन पर शासन करते हैं।
- लोग सरकार के गैर-हितकारी निर्णयों के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाकर सरकार को निर्णय बदलने के लिए बाध्य कर देते हैं।
- रचनात्मक और लोक-हितकारी निर्णयों के लागू करने में लोग सरकार को सहयोग देते हैं।
- यदि सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है, तो लोग चुनाव में उस सरकार के खिलाफ वोट डालकर उसे सत्ता से हटा देते हैं।

प्रश्न 3 विभिन्न विवादो और मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार की जरूरत क्यों होती है ?

उत्तर – सरकार एक ऐसा मंच होता है जो विभिन्न मुद्दों और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा सकता है। सरकार एक निष्पक्ष संस्था होती है और उसके पास कानून की शक्ति होती है। सर्वोच्च

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रशासनिक संस्था होने के नाते सभी लोगों को उसके • निर्णयों को मानना पड़ता है। अतः विभिन्न विवादों और मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार ही श्रेष्ठ संस्था है।

प्रश्न 4 सभी लोगों के साथ समानता का व्यवहार हो इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार क्या कदम उठाती है ?

उत्तर – लोगों के साथ समानता के व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए सरकार निम्नलिखित कदम उठाती है

- सभी लोगों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रदान किया गया है। .
- शोषण और बेगार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।
- कानून की दृष्टि में सभी लोग समान हैं।
- छुआछूत पर पूर्ण प्रतिबंध है।
- सरकार दलित और अछूत लोगों के विकास के लिए विशेष कदम उठाती है।

प्रश्न 5 पाठ को एक बार और पढ़कर लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्त्वों की एक सूची बनाइए। उदाहरण के लिए सभी लोग बराबर है।

उत्तर – लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य तत्त्वों का वर्णन इस प्रकार से है

1. लोकतांत्रिक सरकार में सभी नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त होता है।
2. लोकतांत्रिक सरकार का कार्यकाल निश्चित होता है।
3. लोकतांत्रिक प्रणाली में निश्चित कार्यकाल पूर्ण कर लेने के पश्चात सरकार का पुनर्गठन चुनाव के द्वारा होता है।
4. लोकतांत्रिक सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है।
5. (5) लोकतांत्रिक सरकार समानता और न्याय के सिद्धांत पर टिकी होती है।। .
6. लोकतांत्रिक सरकार में नागरिकों को मौलिक अधिकार प्राप्त होते हैं।
7. लोकतांत्रिक सरकार में लोगों को सरकार की आलोचना करने का पूर्ण अधिकार होता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)